Roll No. / नामांक: ☐☐☐☐☐☐	Q.P. Code / प्रश्न-पत्र कोड: RBSE-12-ACC-U05	SET / सेट – 05

TYBA COACHING CENTRE | टी वाई बी ए कोचिंग सेंटर

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, RAJASTHAN, AJMER (RBSE) — CLASS XII EXAMINATION

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर (RBSE) — उच्च माध्यमिक परीक्षा मॉडल प्रश्न-पत्र

Contact / WhatsApp: 6367029449 • NCERT Class 12 Accountancy Part-1 (Partnership Accounts / साझेदारी लेखे)

Time / समय: 1 Hour 30 Min (1 घंटा 30 मिनट)	ACCOUNTANCY (लेखाशास्त्र — कोड: 30) — CLASS 12	Unit Test 5: Dissolution of Partnership Firm	Max. Marks / पूर्णांक: 40

General Instructions / परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश:

(1) Candidate must write his/her Roll No. on the question paper compulsorily. All questions are compulsory. / परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें। सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

(2) This Question Paper contains 11 main questions across 4 Sections: Section A (Q1: 10 MCQs, Q2: 4 Fill-in-Blanks, Q3: 4 VSA = 18 Marks), Section B (Q4–Q8: 5 SA-I × 2M = 10 Marks), Section C (Q9–Q10: 2 SA-II × 3M = 6 Marks), and Section D (Q11: 1 Essay/Comprehensive Numerical × 6M). Total: 40 Marks. / इस प्रश्न-पत्र में कुल 11 मुख्य प्रश्न 4 खंडों में विभाजित हैं: खंड-अ (Q1: 10 बहुविकल्पीय, Q2: 4 रिक्त स्थान, Q3: 4 अतिलघुत्तरात्मक = 18 अंक), खंड-ब (Q4–Q8: 5 लघुत्तरात्मक × 2 = 10 अंक), खंड-स (Q9–Q10: 2 दीर्घ उत्तरीय × 3 = 6 अंक), तथा खंड-द (Q11: 1 निबंधात्मक/व्यावहारिक आंकिक प्रश्न × 6 अंक)। कुल: 40 अंक।

(3) Internal choice (OR / अथवा) is provided in all questions of Section C (Q9–Q10) and Section D (Q11). / खंड-स (Q9–Q10) और खंड-द (Q11) के सभी प्रश्नों में आंतरिक विकल्प (OR / अथवा) दिए गए हैं।

(4) Write all necessary journal entries with narration and show clear working notes wherever required. / जहाँ आवश्यक हो, स्पष्ट कार्यशील टिप्पणियाँ (Working Notes) बनाएँ तथा रोजनामचा प्रविष्टियों में विवरण (Narration) अवश्य लिखें।

SECTION – A (18 × 1 = 18 MARKS) | खंड – अ (वस्तुनिष्ठ, रिक्त स्थान एवं अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न)

Q1: 10 MCQs, Q2: 4 Fill in the Blanks, Q3: 4 Very Short Answer Questions (1 Mark each). / Q1: 10 **बहुविकल्पीय प्रश्न**, Q2: 4 **रिक्त स्थान**, Q3: 4 **अति लघुत्तरात्मक प्रश्न (प्रत्येक 1 अंक)**।

Q1(i). On dissolution of a firm, Realisation Account is debited with: **[1]**
[HI] फर्म के समापन पर वसूली खाता (Realisation Account) नामे (debit) किया जाता है:
(A) Realised value of assets (B) Book value of assets (excluding cash/bank) (C) Book value of liabilities (D) Balance of cash

Q1(ii). If a creditor of ₹ 20,000 accepts an unrecorded computer of ₹ 25,000 in full settlement of his claim, the journal entry will be: **[1]**
[HI] यदि ₹ 20,000 का लेनदार पूर्ण भुगतान में ₹ 25,000 का अलिखित कंप्यूटर स्वीकार कर लेता है, तो रोजनामचा प्रविष्टि होगी:
(A) Creditors Dr to Computer A/c (B) Realisation Dr to Cash (C) No Entry (D) Realisation Dr to Computer

Q1(iii). At the time of dissolution, partner's loan to the firm is paid through: **[1]**
[HI] समापन के समय साझेदार द्वारा फर्म को दिए गए ऋण का भुगतान किया जाता है:
(A) Realisation A/c (B) Partner's Loan A/c (C) Partner's Capital A/c (D) General Reserve

Q1(iv). Realisation expenses paid by a partner on behalf of the firm are credited to: **[1]**
[HI] फर्म की ओर से किसी साझेदार द्वारा वहन किए गए वसूली व्ययों को क्रेडिट किया जाता है:
(A) Cash A/c (B) Partner's Capital A/c (C) Realisation A/c (D) P&L A/c

Q1(v). On dissolution, balance of Cash or Bank Account should be: **[1]**
[HI] फर्म के समापन पर रोकड़ या बैंक खाते का अंतिम शेष होना चाहिए:
(A) Debit balance (B) Credit balance (C) Nil (Zero) (D) Equal to capital

Q1(vi). According to Section 48 of the Partnership Act, which of the following is paid FIRST out of the assets of the firm? **[1]**
[HI] साझेदारी अधिनियम की धारा 48 के अनुसार फर्म की संपत्तियों से सर्वप्रथम किसका भुगतान किया जाता है?
(A) Partners' Capitals (B) Partners' Loans (C) Outside Debts / Third Party Liabilities (D) Profit to partners

Q1(vii). An unrecorded asset realised ₹ 12,000 on dissolution. It will be credited to: **[1]**
[HI] समापन पर ₹ 12,000 की अलिखित संपत्ति वसूल हुई। इसे क्रेडिट किया जाएगा:
(A) Cash A/c (B) Realisation A/c (C) Capital A/c (D) Revaluation A/c

Q1(viii). Court can order compulsory dissolution of a partnership firm on grounds of: **[1]**
[HI] न्यायालय द्वारा फर्म के अनिवार्य समापन का आदेश दिया जा सकता है:
(A) Insanity of a partner (B) Persistent breach of agreement (C) Continuous losses (D) All of the above

Q1(ix). Loss on realisation is transferred to partners' capital accounts in their: **[1]**
[HI] वसूली पर होने वाली हानि साझेदारों के पूँजी खातों में अंतरित की जाती है उनके:
(A) Capital Ratio (B) Profit Sharing Ratio (C) Equal Ratio (D) Sacrificing Ratio

Q1(x). Which of the following accounts is NOT prepared on dissolution of a partnership firm? **[1]**
[HI] फर्म के समापन पर निम्नलिखित में से कौन-सा खाता तैयार नहीं किया जाता है?
(A) Realisation A/c (B) Revaluation A/c (C) Partners' Capital A/c (D) Bank A/c

Q2(i). [Fill in the blank] Realisation Account is a _____ Account by nature. **[1]**
[HI] [रिक्त स्थान भरें] वसूली खाता प्रकृति से एक _____ खाता है।

Q2(ii). [Fill in the blank] Dissolution of partnership between all the partners of a firm is called Dissolution of _____. **[1]**
[HI] [रिक्त स्थान भरें] किसी फर्म के सभी साझेदारों के बीच साझेदारी का अंत फर्म का _____ कहलाता है।

Q2(iii). [Fill in the blank] At the time of dissolution, fictitious assets like debit balance of P&L Account are transferred to _____ Accounts. **[1]**
[HI] [रिक्त स्थान भरें] फर्म के समापन पर अवास्तविक संपत्तियाँ (जैसे लाभ-हानि का नामे शेष) साझेदारों के _____ खातों में अंतरित होती हैं।

Q2(iv). [Fill in the blank] If an asset is taken over by a partner, _____ Account is debited. **[1]**
[HI] [रिक्त स्थान भरें] यदि किसी साझेदार द्वारा संपत्ति ली जाती है, तो साझेदार का _____ खाता नामे किया जाता है।

Q3(i). Distinguish between Dissolution of Partnership and Dissolution of Firm. **[1]**
[HI] साझेदारी के समापन तथा फर्म के समापन में मुख्य अंतर स्पष्ट कीजिए।

Q3(ii). What is Realisation Account? **[1]**
[HI] वसूली खाता (Realisation Account) क्या है?

Q3(iii). Why is cash or bank balance not transferred to Realisation Account? **[1]**
[HI] रोकड़ या बैंक शेष को वसूली खाते में क्यों नहीं अंतरित किया जाता?

Q3(iv). Pass journal entry when an unrecorded asset of ₹ 5,000 is taken over by partner A at ₹ 4,000 on dissolution. **[1]**
[HI] समापन पर ₹ 5,000 की अलिखित संपत्ति साझेदार A द्वारा ₹ 4,000 में लेने की रोजनामचा प्रविष्टि दीजिए।

SECTION – B (5 × 2 = 10 MARKS) | खंड – ब (लघुत्तरात्मक प्रश्न प्रकार-I)

Questions 4 to 8 carry 2 marks each (Answer limit: 30–50 words). / **प्रश्न संख्या 4 से 8 तक प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है (शब्द सीमा: 30–50 शब्द)**।

Q4. State any four modes of dissolution of a partnership firm without the intervention of court. **[2]**
[HI] न्यायालय के हस्तक्षेप के बिना फर्म के समापन की किन्हीं चार परिस्थितियों (रीतियों) का उल्लेख कीजिए।

Q5. State the rules laid down in Section 48 of the Indian Partnership Act, 1932 regarding the settlement of losses on dissolution. **[2]**
[HI] समापन पर हानियों के निपटारे के संबंध में भारतीय साझेदारी अधिनियम 1932 की धारा 48 के प्रावधान बताइए।

Q6. Pass necessary journal entries for the following transactions on the dissolution of a firm: **[2]**
(i) An unrecorded creditor of ₹ 6,000 was settled at ₹ 5,200.
(ii) Stock of book value ₹ 30,000 was taken over by partner B at 10% discount.
[HI] फर्म के समापन पर निम्न व्यवहारों की रोजनामचा प्रविष्टियाँ दीजिए:
(i) ₹ 6,000 के एक अलिखित लेनदार का निपटान ₹ 5,200 में किया गया।
(ii) ₹ 30,000 पुस्तकीय मूल्य का स्टॉक साझेदार B ने 10% बट्टे पर ले लिया।

Q7. Pass journal entries for the following: **[2]**
(i) Realisation expenses of ₹ 2,500 were paid by the firm on behalf of partner X.
(ii) Partner Y was appointed to look after dissolution for a remuneration of ₹ 10,000. Actual expenses of ₹ 12,000 were paid by the firm.
[HI] रोजनामचा प्रविष्टियाँ दीजिए:
(i) वसूली व्यय ₹ 2,500 फर्म द्वारा साझेदार X की ओर से चुकाए गए।
(ii) साझेदार Y को ₹ 10,000 पारिश्रमिक पर समापन कार्य सौंपा गया। फर्म ने ₹ 12,000 के वास्तविक व्यय चुकाए।

Q8. Book value of Debtors was ₹ 50,000 and Provision for Doubtful Debts was ₹ 4,000. Debtors realized ₹ 42,000. Pass journal entries for transfer and realization of Debtors on dissolution. **[2]**
[HI] देनदारों का पुस्तकीय मूल्य ₹ 50,000 तथा संदिग्ध ऋण आयोजन ₹ 4,000 था। देनदारों से ₹ 42,000 वसूल हुए। समापन पर अंतरण व वसूली की प्रविष्टियाँ दीजिए।

SECTION – C (2 × 3 = 6 MARKS) | खंड – स (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न प्रकार-I)

Questions 9 and 10 carry 3 marks each with internal choice. / प्रश्न संख्या 9 और 10 प्रत्येक 3 अंक का है। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प उपलब्ध है।

Q9. Pass journal entries for the following transactions on the dissolution of a firm: **[3]**
(a) Creditors of ₹ 85,000 accepted Furniture of book value ₹ 70,000 at ₹ 65,000 and the remaining amount was paid to them in cash.
(b) A machine of book value ₹ 40,000 was given to an unrecorded creditor of ₹ 45,000 in full settlement.
(c) Investments of ₹ 25,000 realized ₹ 28,000.
[HI] फर्म के समापन पर निम्न लेन-देनों की आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ दीजिए:
(क) ₹ 85,000 के लेनदारों ने ₹ 70,000 पुस्तकीय मूल्य का फर्नीचर ₹ 65,000 में स्वीकार किया तथा शेष राशि नकद दी गई।
(ख) ₹ 40,000 मूल्य की मशीन ₹ 45,000 के अलिखित लेनदार को पूर्ण भुगतान में दे दी गई।
(ग) ₹ 25,000 के विनियोगों से ₹ 28,000 वसूल हुए।

OR / अथवा

Explain the order of application of assets of the firm under Section 48 of the Indian Partnership Act, 1932 on dissolution.
[HI] फर्म के समापन पर भारतीय साझेदारी अधिनियम 1932 की धारा 48 के अंतर्गत संपत्तियों के उपयोग (भुगतान) के क्रम को स्पष्ट कीजिए।

Q10. Distinguish between Firm's Debts and Private Debts on the basis of: (i) Meaning, (ii) Liability of partners, (iii) Priority of application of firm's property. **[3]**
[HI] 'फर्म के ऋण' तथा 'निजी ऋण' में निम्न आधारों पर अंतर स्पष्ट कीजिए: (i) अर्थ, (ii) साझेदारों का दायित्व, (iii) फर्म की संपत्ति के उपयोग की प्राथमिकता।

OR / अथवा

A and B were partners sharing profits equally. On dissolution of the firm on 31st March 2026, partner A had given a loan of ₹ 30,000 to the firm, and partner B had taken a loan of ₹ 20,000 from the firm. Pass journal entries for the settlement of both loans.
[HI] A और B समान साझेदार थे। 31 मार्च 2026 को समापन पर साझेदार A ने फर्म को ₹ 30,000 का ऋण दिया हुआ था, तथा साझेदार B ने फर्म से ₹ 20,000 का ऋण लिया हुआ था। दोनों ऋणों के निपटारे की रोजनामचा प्रविष्टियाँ दीजिए।

SECTION – D (1 × 6 = 6 MARKS) | खंड – द (निबंधात्मक / विस्तृत आंकिक प्रश्न)

Question 11 carries 6 marks with internal choice (Comprehensive Dissolution Problem). / प्रश्न संख्या 11 कुल 6 अंक का है। इसमें आंतरिक विकल्प उपलब्ध है।

Q11. Following is the Balance Sheet of Anita and Bina who share profits in the ratio of 3 : 2 as at 31st March 2026: **[6]**

Liabilities: Creditors ₹ 38,000; Mrs. Anita's Loan ₹ 10,000; Bina's Loan ₹ 12,000; Capitals: Anita ₹ 60,000, Bina ₹ 40,000 (Total ₹ 1,60,000).

Assets: Cash at Bank ₹ 14,000; Debtors ₹ 32,000 (less Provision ₹ 2,000 = ₹ 30,000); Stock ₹ 40,000; Investments ₹ 26,000; Plant & Machinery ₹ 50,000 (Total ₹ 1,60,000).

The firm was dissolved on the above date on the following terms:

(i) Anita took over Investments at ₹ 24,000 and agreed to discharge her husband's loan (Mrs. Anita's Loan).

(ii) Plant & Machinery realized ₹ 42,000 and Stock realized ₹ 35,000.

(iii) Debtors realized ₹ 28,000.

(iv) Creditors were paid at a discount of 5%.

(v) Expenses of realization amounted to ₹ 1,500.

Prepare Realisation Account, Partners' Capital Accounts, and Bank Account.

[HI] अनीता और बीना 3 : 2 में साझेदार हैं। 31 मार्च 2026 को उनका स्थिति विवरण निम्न था:

दायित्व: लेनदार ₹ 38,000; मिसेज अनीता का ऋण ₹ 10,000; बीना का ऋण ₹ 12,000; पूँजी खाते: अनीता ₹ 60,000, बीना ₹ 40,000 (योग ₹ 1,60,000)।

संपत्तियाँ: बैंक शेष ₹ 14,000; देनदार ₹ 32,000 (घटाया आयोजन ₹ 2,000 = ₹ 30,000); स्टॉक ₹ 40,000; विनियोग ₹ 26,000; संयंत्र व मशीनरी ₹ 50,000 (योग ₹ 1,60,000)।

उक्त तिथि को फर्म का समापन निम्न शर्तों पर हुआ:

(i) अनीता ने विनियोग ₹ 24,000 में ले लिए तथा अपने पति के ऋण का भुगतान स्वीकार किया।

(ii) संयंत्र से ₹ 42,000 तथा स्टॉक से ₹ 35,000 वसूल हुए।

(iii) देनदारों से ₹ 28,000 मिले।

(iv) लेनदारों का 5% बट्टे पर भुगतान किया गया।

(v) वसूली व्यय ₹ 1,500 हुए।

वसूली खाता, साझेदारों के पूँजी खाते तथा बैंक खाता तैयार कीजिए।

OR / अथवा

Pass necessary journal entries on the dissolution of a partnership firm in the following independent cases:

(a) Dissolution expenses ₹ 3,000 were to be borne by partner M. Firm paid ₹ 3,000.

(b) Partner N was given an unrecorded asset of ₹ 8,000 in full settlement of his commission of ₹ 8,000 for dissolving the firm.

(c) A debtor of ₹ 15,000 previously written off as bad debt paid ₹ 10,000.

(d) Total creditors were ₹ 60,000. Creditors of ₹ 20,000 accepted stock of ₹ 18,000 in full settlement, and remaining creditors were paid at 10% discount.

(e) Loss on Realisation of ₹ 24,000 was distributed between partners X and Y in 3 : 1.

[HI] फर्म के समापन पर निम्न स्वतंत्र मामलों में आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ दीजिए:

(क) वसूली व्यय ₹ 3,000 साझेदार M को वहन करने थे। फर्म ने ₹ 3,000 चुकाए।

(ख) साझेदार N को फर्म समापन के ₹ 8,000 कमीशन के बदले ₹ 8,000 की अलिखित संपत्ति दे दी गई।

(ग) एक देनदार जिसे पूर्व में ₹ 15,000 डूबत ऋण मान लिया गया था, उसने ₹ 10,000 चुकाए।

(घ) कुल लेनदार ₹ 60,000 थे। ₹ 20,000 के लेनदारों ने ₹ 18,000 का स्टॉक पूर्ण भुगतान में लिया तथा शेष लेनदारों को 10% बट्टे पर चुकाया गया।

(ङ) वसूली पर ₹ 24,000 की हानि साझेदारों X और Y (3:1) में बाँटी गई।

COMPLETE VERIFIED ANSWER KEY & STEPWISE MARKING SCHEME — SET-05 (संपूर्ण उत्तरमाला एवं अंक-योजना)

Q1(i)	(B) Book value of assets (संपत्तियों के पुस्तकीय मूल्य से)	**Q1(ii)**	(C) No Entry (कोई प्रविष्टि नहीं)	**Q1(iii)**	(B) Partner's Loan A/c (साझेदार के ऋण खाते से)
Q1(iv)	(B) Partner's Capital A/c (साझेदार के पूँजी खाते में)	**Q1(v)**	(C) Nil / Zero (शून्य / दोनों पक्ष बराबर)	**Q1(vi)**	(C) Outside Debts / Third Party (बाह्य तृतीय पक्षीय दायित्व)
Q1(vii)	(B) Realisation A/c (वसूली खाते में)	**Q1(viii)**	(D) All of the above (उपर्युक्त सभी)	**Q1(ix)**	(B) Profit Sharing Ratio (लाभ-हानि अनुपात में)
Q1(x)	(B) Revaluation A/c (पुनर्मूल्यांकन खाता)	**Q2(i)**	Nominal (नाममात्र खाता)	**Q2(ii)**	Firm (फर्म का समापन)
Q2(iii)	Partners' Capital (पूँजी)	**Q2(iv)**	Partner's Capital (पूँजी खाता)	**Q3(i)**	Dissolution of partnership ends relationship but business continues; Dissolution of firm closes business completely [1M]
Q3(ii)	A nominal account prepared on dissolution to close books, record sale of assets, payment of liabilities and ascertain profit/loss [1M]	**Q3(iii)**	Because cash is already in liquid form and does not require realization [1M]	**Q3(iv)**	A's Capital A/c Dr ₹4,000 to Realisation A/c ₹4,000 [1M]
Q4	(1) Dissolution by agreement, (2) Compulsory dissolution (insolvency/unlawful business), (3) Happening of contingencies (expiry of term), (4) Dissolution by notice [2M]	**Q5**	Losses shall be paid: (1) First out of profits, (2) Next out of capital, (3) Lastly by partners individually in profit sharing ratio [2M]	**Q6**	(i) Realisation A/c Dr ₹5,200 to Bank A/c ₹5,200 [1M]. (ii) B's Capital A/c Dr ₹27,000 to Realisation A/c ₹27,000 [1M]
Q7	(i) X's Capital A/c Dr ₹2,500 to Bank A/c ₹2,500 [1M]. (ii) Realisation A/c Dr ₹10,000, Y's Capital A/c Dr ₹2,000 to Bank A/c ₹12,000 [1M]	**Q8**	(1) Realisation A/c Dr ₹50,000 to Debtors A/c ₹50,000; (2) Provision for Doubtful Debts A/c Dr ₹4,000 to Realisation A/c ₹4,000; (3) Bank A/c Dr ₹42,000 to Realisation A/c ₹42,000 [2M]	**Q9**	(a) For furniture accepted by creditors: No entry. For cash balance paid (85,000−65,000): Realisation A/c Dr ₹20,000 to Bank A/c ₹20,000 [1M]. (b) Machine given in full settlement: No entry [1M]. (c) Bank A/c Dr ₹28,000 to Realisation A/c ₹28,000 [1M] | OR: (1) Pay debts of third parties, (2) Pay partner's loans rateably, (3) Pay capital balances rateably, (4) Surplus distributed among partners in profit sharing ratio [3M]
Q10	(i) Firm debts contracted by firm; Private debts contracted by individual partner [1M]. (ii) All partners jointly & severally liable for firm debts; only concerned partner liable for private debts [1M]. (iii) Firm property applied first to firm debts; Partner private property applied first to private debts [1M] | OR: (1) A's Loan A/c Dr ₹30,000 to Bank A/c ₹30,000 [1.5M]. (2) Bank A/c Dr ₹20,000 (or B's Capital A/c Dr) to B's Loan A/c ₹20,000 [1.5M]	**Q11**	Realisation A/c: Dr To Debtors ₹32k, To Stock ₹40k, To Inv. ₹26k, To Plant ₹50k, To Bank(Creditors 38k−5%=36.1k), To Anita Capital(Mrs. Loan) ₹10k, To Bank(Exp) ₹1.5k (Total Dr ₹1,95,600). Cr By Prov. Debtors ₹2k, By Creditors ₹38k, By Mrs. Loan ₹10k, By Anita Capital(Inv) ₹24k, By Bank(Plant 42k+Stock 35k+Debtors 28k=105k) (Total Cr ₹1,79,000). Loss on Realisation = ₹ 16,600 (Anita: ₹ 9,960, Bina: ₹ 6,640). Bina's Loan paid separately via Bank = ₹ 12,000. Capital A/cs: Anita (60k+10k−24k−9.96k) = ₹ 36,040; Bina (40k−6.64k) = ₹ 33,360. Bank Account: Dr Opening 14k + Assets 105k = ₹ 1,19,000; Cr Creditors 36.1k + Exp 1.5k + Bina Loan 12k + Anita 36.04k + Bina 33.36k = ₹ 1,19,000 (Tallied) [6M] | OR: (a) M's Capital Dr ₹3,000 to Bank ₹3,000; (b) No entry; (c) Bank Dr ₹10,000 to Realisation ₹10,000; (d) For 40k creditors at 10% discount: Realisation Dr ₹36,000 to Bank ₹36,000; (e) X's Capital Dr ₹18,000, Y's Capital Dr ₹6,000 to Realisation ₹24,000 [6M]	**—**	—